केले और अन्य बागवानी फसलों के तीव्र विकास पर 19वां किसान संगोष्ठी-20254 का व्यवस्था

15 नवंबर 2024, अमृत, एएसएम फाउंडेशन,
महमदा, पूसा, समस्तीपुर, बिहार, 10.30-14.30 बजे

3 नवंबर, 2024

डॉ. एच. पी. सिंह
[पूर्व डी.डी.जी. {आई सी ए आर}]
अध्यक्ष, सी एच ए आई और फाउंडेशन के सलाहकार
Confedhorti@gmail.com

विषय: केले, आलू, लीची और अन्य बागवानी फसलों के तीव्र विकास पर किसान संगोष्ठी में आमंत्रण

प्रिय सहयोगी,

मुझे लेफ्टिनेंट अमित सिंह मेमोरियल फाउंडेशन की ओर से आपको आमंत्रण देने में खुशी हो रही है। यह एक ISO 9001:2015 प्रमाणित संगठन है, जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12A और 80G के अंतर्गत पंजीकृत है, और गृह मंत्रालय द्वारा एफ सी आर ए प्रमाणित है। 2001 में स्थापना के बाद से, फाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आर्थिक विकास और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा से एक देश भक्तिपूर्ण युवा सशक्तिकरण के लिए समर्पित है। हमारे मिशन की प्रेरणा लेफ्टिनेंट अमित सिंह की अदम्य भावना और नेतृत्व क्षमता से है, जिन्होंने अपनी टुकड़ी का नेतृत्व करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका अद्वितीय साहस और समर्पण हमारे दिलों पर एक अमिट छाप छोड़ता है और अनगिनत लोगों को प्रेरित करता है।

यह मान्यता है कि बिहार के कृषि परिदृश्य में केले और अन्य बागवानी फसलों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है, इन फसलों ने वैज्ञानिक तकनीकों और प्रौद्योगिकी अपनाने से पारंपरिक फसलों की तुलना में किसानों को अधिक आर्थिक लाभ प्रदान किए हैं। किसानों ने पारंपरिक किस्मों से उच्च उत्पादकता वाली ग्रैंड नाइन किस्म की ओर रुख किया है और ऊतक संवर्धन पौधों के साथ-साथ फर्टिगेशन तकनीकों को अपनाया है। पोषक तत्व और जल प्रबंधन, उत्पादन प्रणाली और गुच्छ प्रबंधन में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं। इस बदलाव ने यह स्पष्ट रूप से दिखाया है कि केले और

बागवानी फसलें बेहतर आय के अवसर प्रदान करती हैं, जिससे किसानों की आजीविका को सुदृढ़ बनाने में ये फसलें आदर्श विकल्प बन गई हैं।

बिहार में, केला, आलू, लीची, सब्जियां, कंद, मशरूम, मसाले और फूल जैसी फसलें किसानों की आय बढ़ाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई हैं। उनकी पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अनिवार्य हैं। जैसे ही हम 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की प्रयास मे बागवानी फसलों का तीव्र विकास एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाव गी। हालांकि, इस विकास के साथ-साथ कुछ चुनौतियां भी हैं, विशेष रूप से फसलोपरांत प्रबंधन और विपणन में, जहाँ मूल्य श्रृंखला दृष्टिकोण को मजबूत करने की आवश्यकता है। कुछ नवाचारी किसानों ने पहले से ही स्वचालित फर्टिगेशन प्रणाली को अपनाया है, जो अन्य किसानों के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल है।

इन उभरते मुद्दों को संबोधित करने, ज्ञान साझा करने और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए, एए स एम फाउंडेशन, नई दिल्ली, भारतीय बागवानी संघ परिसंघ (सी एच ए आई), नई दिल्ली और जैन इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड के सहयोग से, केले, आलू, लीची और अन्य बागवानी फसलों के तीव्र विकास पर एक किसान संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है। यह संवादात्मक कार्यक्रम वर्तमान चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा करने का एक मंच प्रदान करेगा, जिससे बागवानी क्षेत्र में तीव्र विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।

किसानों के ज्ञान सशक्तिकरण और तकनीक के उन्नयन के महत्व को ध्यान में रखते हुए, किसान संगोष्ठी एक महत्वपूर्ण पहल है जो लक्षित उत्पादन और बेहतर आजीविका प्राप्त करने के लिए आवश्यक है। हम आपके सक्रिय सहभागिता का हार्दिक स्वागत करते हैं और यदि आप हमें अपने ज्ञान से समृद्ध करें तो यह हमारे लिए सम्मान की बात होगी। हम आपको सम्मानित प्रतिभागी के रूप में आमंत्रित करते हैं ताकि आप अपने अनुभव साझा कर सकें और चर्चा से लाभान्वित हो सकें।

हमें आपके सहभागिता और अंतर्दृष्टि से बागवानी के तीव्र विकास के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को मजबूत करने में मदद मिलेगी। कृपया अपनी उपस्थिति की पुष्टि करके हमें अनुग्रहित करें।

सादर,

आपका विश्वासी

एच. पी. सिंह

सेवा में

सभी प्रतिभागियों को